P.P.N. (P.G.) College, Kanpur

96/12 Mahatma Ghandhi Marg, Kanpur -208001

•Telefax: (0512)2361924 • Website: www.ppncollege.org•

•email:ppncollegekanpur@gmail.com•

UG SANSKRIT

COURSE OUTCOMES (COs)

CERTIFICATE IN SANSKRIT

FIRST YEAR	SEMESTER – I	**संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण**	**CODE: A020101T**	**THEORY**	**CREDIT: 06**
		CO 1	विद्यार्थी गण वैदिक तथा लौकिक संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर के काव्य के विभिन्न भेदों से अवगत हो सकेंगे।		
		CO 2	विद्यार्थी गण पद्य साहित्य की संगीतात्मकता का सौन्दर्यबोध कर सकेंगे।		
		CO 3	विद्यार्थी गण काव्य में उपनिबद्ध रस, छंद और अलंकारों को समझने में सक्षम होंगे।		
		CO 4	विद्यार्थी गण नैतिकता एवं चारित्रिक उन्नयन के संवर्धन हेतु पद्य काव्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषितों का प्रयोग कर सकेंगे।		
		CO 5	विद्यार्थी गण संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण कौशल में प्रवीण होंगे साथ ही उनके शब्द ज्ञान भण्डार की वृद्धि होगी।		
		CO 6	विद्यार्थी गण संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से परिचित हो सकेंगे।		
		CO 7	विद्यार्थी गण को संस्कृत वर्णो के शुद्ध उच्चारण कौशल का ज्ञान प्राप्त होगा।		
		CO 8	विद्यार्थी गण स्वर, व्यंजन के मूलभेद को पृथक-पृथक समझ कर उसके अर्थ को समझने की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।		
		CO 9	विद्यार्थी गण स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग (त्रिविध संधि) के विशिष्ट ज्ञान पूर्वक उनके अनुप्रयोग के कौशल को विकसित करने की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।		
	SEMESTER – II	**संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग**	**CODE: A020201T**	**PRACTICAL**	**CREDIT: 06**
		CO 1	विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		
		CO 2	सबंधित साहित्य के पठन-पाठन से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।		
		CO 3	राष्ट्रीयता की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बन सकेंगे।		
		CO 4	अनुवाद में निपुण होंगे।		
		CO 5	संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन की कुशलता प्राप्त होगी।		
		CO 6	विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।		
		CO 7	ई कंटेंट एवं डिजिटल लाइब्रेरी के उपयोग को समझने की क्षमता विकसित हो सकेगी।		
		CO 8	संस्कृत ज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं आदान–प्रदान करने में संगणक के माध्यम से कुशल बनेंगे।		
		CO 9	पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए अवसर प्राप्त करने का कौशल विकसित होगा।		
		CO10	संस्कृत भाषा और साहित्य के नित नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्वज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।		

P.P.N. (P.G.) College, Kanpur

96@12 Mahatma Ghandi Marg, Kanpur -208001

•Telefax: (0512)2361924 • Website: www.ppncollege.org•

•email:ppncollegekanpur@gmail.com•

COURSE OUTCOMES (COs)

DIPLOMA IN SANSKRIT

SECOND YEAR	SEMESTER – III	**संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**	**CODE: A020301T**	**THEORY**	**CREDIT: 06**
		CO 1	संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में समर्थ होंगे।		
		CO 2	नाटक की परिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।		
		CO 3	नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।		
		CO 4	संवाद एवं अभिनय कला के कौशल में सिद्धहस्त होंगे।		
		CO 5	नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।		
		CO 6	विद्यार्थी भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे तथा उन्हें भारतीय होने का गर्व होगा।		
		CO 7	व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे तथा नए शब्दों का निर्माण कर सकेंगे।		
		CO 8	व्याकरण शास्त्रों के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य रचना निर्माण का कौशल प्राप्त करने में सक्षम होंगे।		
	SEMESTER – IV	**काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल**	**CODE: A020401T**	**PRACTICAL**	**CREDIT: 06**
		CO 1	विद्यार्थी काव्य शास्त्र के उद्भव और विकसित से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों एवं सिद्धांतो को समझने में सक्षम होंगे।		
		CO 2	छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे तथा छंद निर्माण प्रक्रिया को सीख सकेंगे।		
		CO 3	संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध प्राप्त कर सकेंगे।		
		CO 4	कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का उत्तरोत्तर विकास होगा।		
		CO 5	शब्द ज्ञान भण्डार कोष में अभिवृद्धि होगी।		
		CO 6	व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास रचना कौशल का विकास हो सकेगा।		
		CO 7	विद्यार्थी में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।		
		CO 8	संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी।		
		CO 9	अपठित अंश माध्यम से विषय वस्तु ज्ञान एवं अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होगी।		
		CO10	विज्ञापन अथवा समाचार लेखन क्षमता द्वारा जीविकोपार्जन का मार्ग प्रशस्त होगा।		

P.P.N. (P.G.) College, Kanpur

96@12 Mahatma Ghandhi Marg, Kanpur -208001

•Telefax: (0512)2361924 • Website: www.ppncollege.org•

•email:ppncollegekanpur@gmail.com•

UG SANSKRIT

COURSE OUTCOMES (COs)

DEGREE IN SANSKRIT

THIRD YEAR	SEMESTER – V	**वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	**CODE: A020501T PAPER 1st**	**THEORY**	**CREDIT: 05**
		CO 1	वेद और उपनिषद का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		
		CO 2	विद्यार्थियों का वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा		
		CO 3	विद्यार्थियों में वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा ।		
		CO 4	उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा ।		
		CO 5	वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा		
		CO 6	विद्यार्थी गण भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे तथा उनमें गीताज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।		
		व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	**CODE: B010103P PAPER 2nd**	**THEORY**	**CREDIT: 05**
		CO 1	विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा साथ ही साथ उनमें संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।		
		CO 2	विद्यार्थियों में ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।		
		CO 3	पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।		
		CO 4	संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन कौशल से सुपरिचित होंगे।		
	SEMESTER – IV	**आधुनिक संस्कृत साहित्य**	**CODE: A020601T PAPER 1st**	**THEORY**	**CREDIT: 05**
		CO 1	विद्यार्थी गण आधुनिक संस्कृत कवियों से सुपरिचित होंगे		
		CO 2	उन्हें नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।		
		CO 3	वहआधुनिक संस्कृत साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।		
		योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	**CODE: A020602T PAPER 2nd**	**THEORY**	**CREDIT: 05**
		CO1	विद्यार्थी गण भारतीय योग शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे साथ ही साथ वह सभी योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।		
		CO2	योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।		
		CO3	छात्र छात्राएं योग के आसनों के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।		
		CO4	वह सभी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोगों द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।		

Dept. of Sanskrit

CONVENER NAAC

CONVENER IQAC

PRINCIPAL P.P.N. P.G. COLLEGE

PRINCIPAL
PT. DRITHI NATH (P.G.) COLLEGE
KANPUR